News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

02 मार्च, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन बृहस्पतिवार दिनांक 02 मार्च, 2023 को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ। शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पंकज कुमार, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने अतिथियों का वाचक स्वागत किया। कार्यशाला के सह समन्वयक डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने 10 दिवसीय कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत की। डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, आयोजन सचिव ने संचालन तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, समन्वयक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मा सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए माननीय अतिथिगण

संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करते हुए शोध छात्र

मुख्य अतिथि प्रो0 पंकज कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए समन्वयक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए सह–समन्वयक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

विशिष्ट अतिथि प्रो0 राजशरण शाही जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 संजय कुमार सिंह

निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 सन्तोषा कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 सुनील कुमार

मुक्त चिन्तन

मंचासीन विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर संतोष कुमार

दस दिवसीय कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला के सह समन्वयक डॉ त्रिविक्रम तिवारी

मुक्त चिन्तन

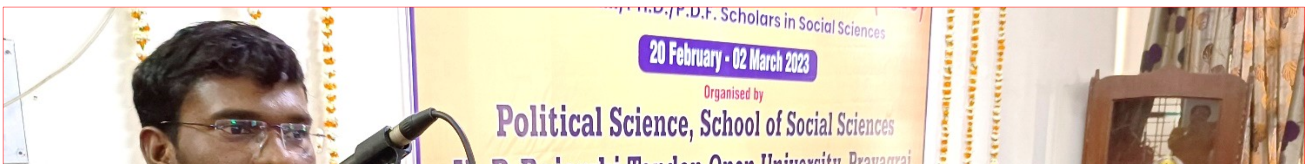

अपने–अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागीगण

मुख्य अतिथि प्रो0 पंकज कुमार जी
को
अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं
स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान
करते हुए
समन्वयक
डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी
एवं
सह–समन्वयक
डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

विशिष्ट अतिथि प्रो0 राजशरण शाही जी
को अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति
चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए
निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाख
प्रो0 सन्तोषा कुमार

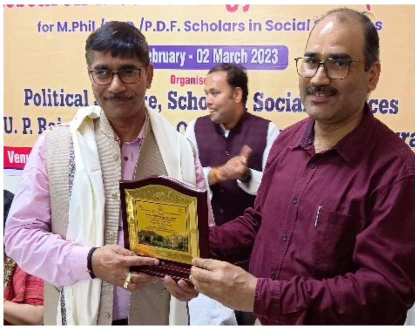

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाख प्रो0 सन्तोषा कुमार, समन्वयक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी एवं सह–समन्वयक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाख प्रो0 सन्तोषा कुमार जी को अंगवस्त्र एवं फल की टोकरी भेंट कर उनका सम्मान करते हुए समन्वयक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी एवं सह–समन्वयक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी
एवं
डॉ0 गौरव संकल्प

भारतीय भाषाओं में शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए – प्रोफेसर राजशरण शाही

प्रोफेसर राजशरण शाही

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ ने कहा कि भारतीय भाषाओं में शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसकी आज बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और विज्ञान की समृद्ध परम्परा यहां रही है। यही परंपरा विश्व के कल्याण के लिए थी। उन्होंने पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली पर शोध करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य में ज्ञान परंपराएं विद्यमान हैं जिसे उद्घाटित करने की आवश्यकता है।

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार : प्रोफेसर पंकज कुमार

प्रोफेसर पंकज कुमार

शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पंकज कुमार, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कहा कि शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है। हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। उन्होंने शोध में ईमानदारी पर जोर देते हुए शोध निर्देशक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रोफेसर पंकज कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज शोध का भी एक बाजार तैयार हो गया है। जिससे शोध में लगातार गिरावट हो रही है। शिक्षक समाज को इस दिशा में रचनात्मक कार्य करना चाहिए।

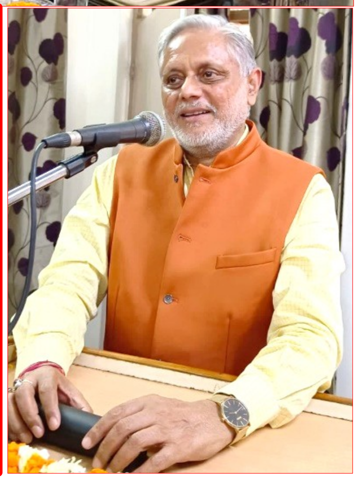

शोधार्थी के रूप में अपनी जिज्ञासा को सदैव जीवित रखना चाहिए : कुलपति

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है। वरन हमारा यह दायित्व है कि हम उस शोध कार्य के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें। शोध में उपयोगिता का तत्व होना चाहिए जो समाज में अपना योगदान दे सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम सभी को एक शोधार्थी के रूप में अपनी जिज्ञासा को सदैव जीवित रखना चाहिए। पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात भी शोधार्थी बने रहना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए समन्वयक डॉ आनन्दा नन्द त्रिपाठी

राष्ट्रगान

ग्रुप फोटोग्राफी

Indian Council of Social Science Research, New Delhi Sponsored
Ten Days
Research Methodology Course (RMC)
for M.Phil./Ph.D./P.D.F. Scholars in Social Sciences
20 February - 02 March 2023
Organised by
Political Science, School of Social Sciences
U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
Venue: Tilak Shastrarth Sabhagar, Saraswati Parisar, UPRTOU, Prayagraj

ग्रुप फोटोग्राफी

दस दिवसीय शोध कार्यशाला के 30 तकनीकी सत्रों में प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रोफेसर विश्वनाथ मिश्रा, प्रोफेसर रवीन्द्र रैना, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ गौरव संकल्प, डॉ बी के सिंह, प्रोफेसर यतींद्र सिंह, प्रोफेसर ए के महापात्रा, प्रोफेसर आर डी शर्मा, प्रोफेसर आलोक चांटिया, डॉ एकता वर्मा, डॉ श्रुति, प्रोफेसर रिपुसूदन सिंह, प्रोफेसर ए आर सिद्धीकी तथा प्रोफेसर मधुरेंद्र कुमार ने शोधार्थियों को शोध के विभिन्न पक्षों पर जानकारियां प्रदान की। इसके साथ ही प्रतिभागियों को 5 वर्गों में बांट कर विंध्य क्षेत्र का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में कुलसचिव श्री विनय कुमार, डॉ गौरव संकल्प, प्रोफेसर पी. के. स्टालिन, प्रोफेसर पी. के. पांडेय, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर ए. के. मलिक, प्रोफेसर एस. कुमार, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, डॉ दीपशिखा आदि शिक्षक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकारः प्रो. पंकज

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विवि के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ। प्रो पंकज कुमार विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग इलाहाबाद केंद्रीय विवि ने कहा कि शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है। हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें। प्रो सिंह ने कहा कि हम सभी को एक शोधार्थी के रूप में अपनी जिज्ञासा को सदैव जीवित रखना चाहिए। पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात भी शोधार्थी बने रहना चाहिए। अतिथियों का स्वागत किया। सह समन्वयक डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने दस दिवसीय कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत की। डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव आयोजन सचिव ने संचालन तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी समन्वयक ने धन्यवाद ज्ञापित

RNI TITLE CODE:UPURD02522 हिन्दी दैनिक - प्रातःसंस्करण E-mail: pawanprayag22@gmail.com
वर्ष : 01, अंकः 70
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 4
प्रयागराज
शुक्रवार
03 मार्च, 2023
पावन प्रयाग

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार : प्रोफेसर पंकज कुमार

इलाहाबाद एक्सप्रेस

शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारम्परिक ज्ञान बेहद उपयोगी : प्रो पंकज कुमार

मुक्त विवि में दस दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

इलाहाबाद एक्सप्रेस
प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.पंकज कुमार ने कहा कि शोध में सामाजिक ... अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है। वरन हमारा यह दायित्व है कि हम उस शोध कार्य के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें। शोध में उपयोगिता का तत्व होना चाहिए जो समाज में अपना योगदान दे सके। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक शोधार्थी के रूप में अपनी ... विद्यमान है जिसे उद्घाटित करने की आवश्यकता है। प्रो एस कुमार, निदेशक समाज विज्ञान विद्या शाखा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला के सह समन्वयक डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने 10 दिवसीय कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत की। डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, आयोजन सचिव ने संचालन तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, समन्वयक ने धन्यवाद ज्ञापित

दैनिक जागरण
Prayagraj, Friday, 3 March 2023
www.inextlive.com

शोध में पारंपरिक ज्ञान बेहद उपयोगी : प्रो. पंकज कुमार

यूपीआरटीओयू के रजत जयंती कार्यक्रम में जुटे विशेषज्ञों ने शोध कार्य पर रखे विचार

गोष्ठी में मौजूद यूपीआरटीओयू वीसी समेत प्रोफेसर.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (2 March): शोध में सामाजिक सरोकार और पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है. हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए, रिसर्च वर्क में शोध निदेशक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है. ये बातें यूपीआरटीओयू के रजत जयंती के अवसर पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से आयोजित 10 दिवसीय शोध प्राविधिक पाठ्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि रहे एयू के रसायन विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज कुमार ने कहीं. बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुए समारोह में प्रोफेसर पंकज कुमार ने कहा किआज शोध का भी एक बाजार तैयार हो गया है जिस कारण इसमें लगातार गिरावट हो रही है. शिक्षक समाज को इस दिशा में रचनात्माक कार्य करने की आवश्यकता है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए

यूपीआरटीओयू की वीसी प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि हमारा दायित्व है कि हम शोध के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें.विशिष्ट अतिथि प्रो. राजशरण शाही, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रो. विश्वनाथ मिश्रा, प्रो. रवीन्द्र रैना, प्रो. एके मलिक, डा. गौरव संकल्प, डॉ. बीके सिंह, प्रो. यतींद्र सिंह आदि ने विद्यार्थियों को शोध के विभिन्न पक्षों पर जानकारियां दीं.

प्रमाण पत्र वितरित किए

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को 5 वर्गों में बांटकर विंध्य क्षेत्र का शैक्षिक भ्रमण कराया गया. इस दौरान समापन सत्र में प्रतिभागियों ने शोध को लेकर विचार भी साझा किए. इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए.कार्यक्रम में कुलसचिव विनय कुमार, डॉ गौरव संकल्प, प्रो. पीके स्यालिन, प्रोफेसर पीके पांडेय, प्रो. छत्रसाल सिंह, प्रो. एके मलिक, प्रो. एस कुमार समेत अन्य शिक्षक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे.

हिन्दी दैनिक अवधनामा
www.avadhnama.com
RNI NO : UPHIN/2008/31173
SSP/LW/NP-422/2014-2016
वर्ष-16 अंक-260 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शुक्रवार, 03 मार्च 2023
10 शाबान, 1444 हिजरी

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार: प्रो. पंकज

अवधनामा संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ। शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पंकज कुमार, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कहा कि शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है। हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। उन्होंने शोध में ईमानदारी पर जोर देते हुए शोध निर्देशक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है। वरन हमारा यह दायित्व है कि हम उस शोध कार्य के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें। शोध में उपयोगिता का तत्व होना चाहिए जो समाज में अपना योगदान दे सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम सभी को एक शोधार्थी के रूप में अपनी जिज्ञासा को सदैव जीवित रखना चाहिए। पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात भी शोधार्थी बने रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ ने कहा कि भारतीय भाषाओं में शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसकी आज बहुत आवश्यकता है। प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला के सह समन्वयक डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने 10 दिवसीय कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत की। डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, आयोजन सचिव ने संचालन तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, समन्वयक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। 10 दिवसीय शोध कार्यशाला के 30 तकनीकी सत्रों में प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रोफेसर विश्वनाथ मिश्रा, प्रोफेशन रवीन्द्र रैना, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ गौरव संकल्प, डॉ बी के सिंह, प्रोफेसर यतींद्र सिंह, प्रोफेसर ए के महापात्रा, प्रोफेसर आर डी शर्मा, प्रोफेसर आलोक चांटिया, डॉ एकता वर्मा, डॉ श्रुति, प्रोफेसर रिपुसूदन सिंह, प्रोफेसर ए आर सिद्धीकी तथा प्रोफेसर मधुरेंद्र कुमार ने शोधार्थियों को शोध के विभिन्न पक्षों पर जानकारियां प्रदान की। इसके साथ ही प्रतिभागियों को 5 वर्गों में बांट कर विंध्य क्षेत्र का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में कुलसचिव विनय कुमार, डॉ गौरव संकल्प, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर पीके पांडेय, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर ए के मलिक, प्रोफेसर एस कुमार, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, डॉ दीपशिखा आदि शिक्षक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

अमर उजाला
प्रयागराज
शुक्रवार, 3 मार्च 2023

शोध में सामाजिक सरोकार को बताया उपयोगी

सेमिनार में बोलते प्रो. पंकज । अमर उजाला ।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का बृहस्पतिवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि इविवि के राजनीति विज्ञान के विभागध्यक्ष प्रो. पंकज कुमार ने कहा कि शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है। हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है। विशिष्ट अतिथि बीएचयू के प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि भारतीय भाषाओं में शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। अतिथियों का स्वागत प्रो. एस. कुमार, संचालन डॉ. दीपशिख श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी ने किया। ब्यूरो

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com
राष्ट्रीय सहारा
लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ
शुक्रवार • 3 मार्च • 2023

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार : प्रो. पंकज

प्रयागराज (एसएनबी)। शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है। हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। यह बातें इविवि के प्रो. पंकज कुमार ने गुरुवार को राजर्षि टंडन मुक्त विवि के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर कहीं।

■ राजर्षि टंडन मुक्त विवि में शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से आयोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. कुमार ने शोध में ईमानदारी पर जोर देते हुए शोध निर्देशक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि आज शोध का भी एक बाजार तैयार हो गया है। जिससे शोध में लगातार गिरावट हो रही है।अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है। वरन हमारा यह दायित्व है कि हम उस शोध कार्य के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें। उन्होंने कहा कि शोध में उपयोगिता का तत्व होना चाहिए जो समाज में अपना योगदान दे सके। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ ने कहा कि भारतीय भाषाओं में शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। शोध कार्यशाला में प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रो. विश्वनाथ मिश्रा, प्रो. रवीन्द्र रैना, प्रो. एके मलिक, डा. गौरव संकल्प, डा. बीके सिंह, प्रो. यतींद्र सिंह, प्रो. एके महापात्रा, प्रो. आरडी शर्मा, प्रो. आलोक चांटिया, डा. एकता वर्मा, डा. श्रुति, प्रो. रिपुसूदन सिंह, प्रो. एआर सिद्धीकी ने उपयोगी जानकारियां दी। कुलसचिव विनय कुमार,डा.गौरव संकल्प, प्रो. पीके स्टालिन, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. छत्रसाल सिंह, प्रो. एके मलिक, प्रो.एस.कुमार, डा. दीपशिखा आदि उपस्थित रहे। प्रो. एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत, डा. दीपशिखा श्रीवास्तव, ने संचालन ,डा. आनंदानंद त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
हरबात
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 87 प्रयागराज, शुक्रवार, 03 मार्च, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार-प्रोफेसर पंकज कुमार :

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ ।

शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पंकज कुमार, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कहा कि शोध में सामाजिक सरोकार एवं पारंपरिक ज्ञान बहुत उपयोगी है। हमें नवीन प्रवृत्तियों एवं नई तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। उन्होंने शोध में ईमानदारी पर जोर देते हुए शोध निर्देशक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रोफेसर पंकज कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज शोध का भी एक बाजार तैयार हो गया है। जिससे शोध में लगातार गिरावट हो रही है। शिक्षक समाज को

इस दिशा में रचनात्मक कार्य करना चाहिए।अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शोध को केवल उपाधि तक सीमित नहीं रखना है। वरन हमारा यह दायित्व है कि हम उस शोध कार्य के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को खोज सकें। शोध में उपयोगिता का तत्व होना चाहिए जो समाज में अपना योगदान दे सके। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम सभी को एक शोधार्थी के रूप में अपनी जिज्ञासा को सदैव जीवित रखना चाहिए। पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात भी शोधार्थी बने रहना चाहिए।विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ ने कहा कि भारतीय भाषाओं में शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसकी आज बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और विज्ञान की समृद्ध परम्परा यहां रही है। यही परंपरा विश्व के कल्याण के लिए थी। उन्होंने पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली पर शोध करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य में ज्ञान परंपराएं विद्यमान हैं जिसे उद्घाटित करने की आवश्यकता है।

प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला के सह समन्वयक डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने 10 दिवसीय कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत की। डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, आयोजन सचिव ने संचालन तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, समन्वयक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।10 दिवसीय शोध कार्यशाला के 30 तकनीकी सत्रों में प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रोफेसर विश्वनाथ मिश्रा, प्रोफेशन रवीन्द्र रैना, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ गौरव संकल्प, डॉ बी के सिंह, प्रोफेसर यतींद्र सिंह, प्रोफेसर ए के महापात्रा, प्रोफेसर आर डी शर्मा, प्रोफेसर आलोक चांटिया, डॉ एकता वर्मा, डॉ श्रुति, प्रोफेसर रिपुसूदन सिंह, प्रोफेसर ए आर सिद्धीकी तथा प्रोफेसर मधुरेंद्र कुमार ने शोधार्थियों को शोध के विभिन्न पक्षों पर जानकारियां प्रदान की। इसके साथ ही प्रतिभागियों को 5 वर्गों में बांट कर विंध्य क्षेत्र का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में कुलसचिव विनय कुमार, डॉ गौरव संकल्प, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर पीके पांडेय, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर ए के मलिक, प्रोफेसर एस कुमार, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, डॉ दीपशिखा आदि शिक्षक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

● वर्ष : 16
● अंक : 28
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शुक्रवार, 03 मार्च 2023
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकारः प्रो. पंकज कुमार

तिजारत संवाददाता

▶▶ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 29 | अंक :122
प्रतापगढ़ | शुक्रवार , 3 मार्च-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
www.dailylokmitra.com

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार- प्रोफेसर पंकज कुमार

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com
(हिंदी दैनिक)
प्रयागराज शुक्रवार 03 मार्च 2023 पृष्ठ 4
प्रातः कालीन

शोध में उपयोगी है सामाजिक सरोकार– प्रोफेसर पंकज

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का समापन बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

कुलपति ने किया मथुरा में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

फैज–ए–आम मार्डन डिग्री कालेज, मथुरा में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी कम में मेरठ, नोएडा, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी, वाराणसी, आजमगढ़ एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने शनिवार दिनांक 04 मार्च, 2023 को फैज–ए– आम मार्डन डिग्री कालेज, मथुरा में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुई। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा के असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा) डॉ0 सतेन्द्र बाबू उनके साथ थे। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

मुक्त चिन्तन 04 मार्च, 2023

फैज–ए–आम मार्डन डिग्री कालेज, मथुरा में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

ijh{kk fu;a=kd Jh Mh0ih0 flag us crk;k fd esjB] xkft;kckn] vkxjk] dkuiqj] y[kuÅ] cjsyh] xksj[kiqj] v;ks/;k >kalh] okjk.klh] vktex<+ ,oa iz;kxjkt {ks=kh; dsUnz ds vUrxZr vkus okys vU; ijh{kk dsUnzksa ij lHkh txg 'kkfUriw.kZ <ax ls ijh{kk;sa py jgh gSA उन्होंने बताया कि पारदर्शिता पूर्ण नकल विहिन परीक्षा संपन्न कराने के लिए **dsUnzk/;{kksa dh fuxjkuh esa**

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समावेशन और स्थिरताः आत्मनिर्भर भारत का निर्माण विषय पर सोमवार दिनांक 13 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी के जग्गी तथा मुख्य वक्ता डरबन, दक्षिण अफ्रीका के प्रोफेसर रविंदर रैना रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत सह संयोजक प्रोफेसर ए के मलिक ने किया तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने जानकारी दी। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ स्मिता दीक्षित ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव प्रोफेसर जे पी यादव ने किया।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। जिनमें डरबन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, डरबन, दक्षिण अफ्रीका के प्रोफेसर रविंद्र रैना ने द रोल ऑफ इंडस्ट्री 4.0 इन द सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर तथा डॉ रजनीश रत्ना, डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, भूटान ने कॉम्पटेन्सी बेस्ड टीचिंग लर्निंग प्रोसेस तथा मिस सुम्बुल मसूद, चेयरपर्सन, प्रयाग चौप्टर आफ एनआईआरसी आफ आईसीएसआई, प्रयागराज ने कॉरपोरेट गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर विचार व्यक्त किए।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ स्मिता दीक्षित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

जल भरो अभियान के तहत घड़े में जल भरते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी के जग्गी तथा मुख्य वक्ता डरबन, दक्षिण अफ्रीका के प्रोफेसर रविंदर रैना एवं अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह,

मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक कुमार राय जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव

मुख्य वक्ता डरबन, दक्षिण अफ्रीका के प्रोफेसर रविंदर रैना जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रोफेसर जे.पी. यादव

विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी के जग्गी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 ए.के. मलिक

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 मीरा पाल

संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 दिनेश सिंह

अतिथियों का स्वागत करते हुए सह संयोजक प्रोफेसर ए. के. मलिक

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में बताते हुए संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव

मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक कुमार राय जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

प्रोफेसर रविंदर रैना जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो0 ए.के. मलिक

प्रोफेसर सी के जग्गी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई डॉ0 मीरा पाल

मुक्त चिन्तन

हमारे पास एक सामान्य धरती माता है : प्रोफेसर रविंदर रैना

प्रोफेसर रविंदर रैना

मुख्य वक्ता डरबन, दक्षिण अफ्रीका के प्रोफेसर रविंदर रैना ने बीज वक्तव्य देते हुए स्थिरता के चार स्तंभों पर चर्चा की। कहा कि हमारे पास एक सामान्य धरती माता है। उन्होंने एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए साथ आने के लिए भी प्रेरित किया।

हमें स्मार्ट नागरिक बनाने पर जोर देना है : प्रोफेसर सी के जग्गी

विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी के जग्गी ने कहा कि नीतियां तो हमारे पास हैं लेकिन क्रियान्वयन की कमी के कारण हम पिछड़ गए हैं। हमें ऐसे स्मार्ट नागरिक बनाने पर जोर देना है जो पहले कर्तव्य निभाए।

प्रोफेसर सी के जग्गी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

हर हाथ को काम मिलने पर आएगी आत्मनिर्भरता : प्रोफेसर आलोक राय

प्रोफेसर आलोक कुमार राय

उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि बिना आम आदमी को सम्मिलित किये हम सतत विकास की बात नहीं कर सकते।

आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह जरुरी है कि हर स्तर पर सभी लोगों को उनके अनुरूप कार्य दिए जाएं।

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय समावेशी शिक्षा प्रदान कर रहा है : प्रो0 सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करती हुई उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय विभिन्न हितधारकों यानी कैदियों, ट्रांसजेंडर, विकलांग, महिलाओं और 18 से 80 आयु

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

मिस सुम्बुल मसूद, चेयरपर्सन, प्रयाग चौप्टर आफ एनआईआरसी आफ आईसीएसआई, प्रयागराज ने कॉरपोरेट गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर विचार व्यक्त करती हुई

इसके साथ ही प्रतिभागियों के लिए पेपर प्रेजेंटेशन सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट डायलॉग तथा एजुकेशन प्रिपेयरिंग फॉर ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी विषय पर प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों की अध्यक्षता प्रोफेसर इंद्रजीत घोषाल, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, डॉ सरोज यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रोफेसर पी के पांडेय तथा डॉ दिनेश सिंह, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने की। दो द्विवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 14 मार्च 2023 को होगा।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आयोजन सचिव प्रोफेसर जे. पी. यादव

राष्ट्रगान

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 14 मार्च, 2023

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, नोएडा, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी, वाराणसी, आजमगढ़ एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने मंगलवार दिनांक 14 मार्च, 2023 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुई। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अमर उजाला
प्रयागराज, मंगलवार, 14 मार्च 2023

हर हाथ को काम मिलने पर आएगी आत्मनिर्भरता

मुक्त विवि में हुए सम्मेलन में बोले प्रो. आलोक राय

लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक राय का अभिनंदन करतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह। *अमर उजाला*

प्रयागराज। बिना आम आदमी को शामिल किए हम सतत विकास की बात नहीं कर सकते। आत्मनिर्भर बनने के लिए यह जरूरी है कि हर स्तर पर सभी लोगों को उनके अनुरूप कार्य दिए जाएं। यह बात लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक राज्य ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कही।

'समावेशन और स्थिरताः आत्मनिर्भर भारत का निर्माण' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय विभिन्न हितधारकों यानी कैदियों, ट्रांसजेंडर, विकलांग, महिलाओं और 18 से 80 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को समावेशी शिक्षा प्रदान कर रहा है। ऐसे में नामांकन की संख्या तेजी से बढ़ी है।

विशिष्ट अतिथि दिल्ली विवि के प्रो. सीके जग्गी ने कहा कि नीतियां तो हमारे पास हैं लेकिन क्रियान्वयन की कमी के कारण हम पिछड़ गए हैं। हमें ऐसे स्मार्ट नागरिक बनाने पर जोर देना है जो पहले कर्तव्य निभाएं।

मुख्य वक्ता दक्षिण अफ्रीका से आए प्रो. रविंदर रैना ने एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए साथ आने को प्रेरित किया। स्वागत सह संयोजक प्रोफेसर एके मलिक, उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. स्मिता दीक्षित और धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव प्रोफेसर जेपी यादव ने किया। ब्यूरो

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
मंगलवार

हर हाथ को काम मिलने से आएगी आत्मनिर्भरता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दो दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ सोमवार को हुआ। इस अवसर पर समावेशन और स्थिरता आत्मनिर्भर भारत का निर्माण विषय पर वक्ताओं ने अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह जरुरी है कि हर स्तर पर सभी लोगों को उनके अनुरूप कार्य दिए जाएं। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीके जग्गी रहे। मुख्य वक्ता डरबन, दक्षिण अफ्रीका के प्रो. रविंदर रैना ने एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए साथ आने के लिए प्रेरित किया।

दैनिक जागरण
www.jagran.com

हर हाथ को काम मिलने पर आएगी आत्मनिर्भरता

जासं, प्रयागराजः उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में समावेशन और स्थिरताः आत्मनिर्भर भारत का निर्माण विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
14 मार्च, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समावेशन और स्थिरता: आत्मनिर्भर भारत का निर्माण विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन मंगलवार दिनांक 14 मार्च, 2023 को अपराह्न 03:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रविंद्र रैना, डरबन विश्वविद्यालय दक्षिण अफ्रीका रहे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर नागेंद्र यादव, अध्यक्ष एवं डीन, डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ ने किया।

प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर अजेंद्र मलिक ने किया तथा संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रोफेसर जे. पी. यादव ने प्रस्तुत किया एवं संगोष्ठी के संयोजक, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर नागेंद्र यादव, अध्यक्ष एवं डीन डॉक्टर शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

16 मार्च, 2023

मुक्त चिन्तन

विद्या परिषद् की 75वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

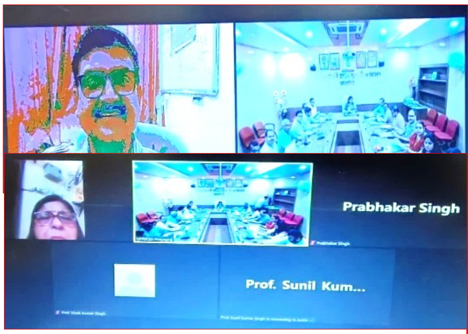

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 75वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 16 मार्च, 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में आये हुए नये सदस्यों का माननीया कुलपति जी ने स्वागत किया। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

ekuuh;k dqyifr

ekuuh;k dqyifr izks0 lhek

fo|k ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

fo|k ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk dj jgh ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ls cSBd izkjEHk djus dh vuqefr izkIr djrs gq, dqylfpo Jh fou; dqekj ,oa cSBd esa mifLFkr ek0 lnL;x.kA

मा0 कुलपति जी एवं सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

बैठक में प्रो0 हरीशंकर सिंह, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 अनुराधा अग्रवाल विभागाध्यक्ष, राजनीति विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 सुनील कुमार सिंह, आचार्य शिक्षा शास्त्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी प्रो0 विवेक कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रभाकर सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी., काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी) मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, (मानविकी विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, आनलाइन/आफ लाइन उपस्थित रहे।

fo|k ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

20 मार्च, 2023

मुविवि में राजकीय शिक्षकों का योग प्रशिक्षण प्रारम्भ

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों का एक सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 20 मार्च, 2023 से दिनांक 25 मार्च, 2023 तक) दिनांक 20 मार्च, 2023 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ0 ब्रह्मदेव, निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे तथा विशिष्ट अतिथि सुनन्दा चतुर्वेदी, ज्वाइंट डायरेक्टर, हायर एजूकेशन, प्रयागराज रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

विषय प्रवर्तन करते हुए बीज वक्ता प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने दीर्घायु योजना में योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मानव जैविक घड़ी को प्रकृति के अनुरूप और उसके तारतम्य में स्थापित करने से प्राप्त होने वाले दीर्घायु जीवन आरोग्य एवं उत्कृष्ट कार्यक्षमता की वृद्धि के रहस्य उजागर किए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह ने योग निद्रा सूक्ष्म योग पंचकोश ध्यान योग योग का अर्थ विकास एवं महत्व पर प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी। योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालयों के 42 शारीरिक शिक्षा अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक शैक्षिक परामर्शदाता शिक्षक कर्मचारी तथा प्रतिभागी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि 6 दिन तक चलने वाले योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के जाने–माने योग शास्त्र के विद

मुक्त चिन्तन

संचालन करती हुई एसोसिएट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 मीरा पाल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

मुख्य अतिथि डॉ0 ब्रह्मदेव, निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि सुनन्दा चतुर्वेदी, ज्वाइंट डायरेक्टर, हायर एजूकेशन, प्रयागराज एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

मुक्त चिन्तन

मंचासीन विशिष्टजनों का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

मुक्त चिन्तन

नवाचार के लिए रिफ्रेशर कोर्स आवश्यक : डॉ सुनंदा चतुर्वेदी

विशिष्ट अतिथि संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश डॉ सुनंदा चतुर्वेदी ने कहा कि शारीरिक शिक्षा से तन स्वस्थ होता है किंतु योग के सम्मिलन से मन और तन दोनों प्रफुल्लित तथा आरोग्य को प्राप्त करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से शारीरिक शिक्षा एवं योग के सम्मिलित अभ्यास से एक नए परिवेश की संकल्पना को साकार करने का आह्वान किया। उन्होंने योग की महत्ता और उसके नवाचार की प्राध्यापकों हेतु आवश्यकता तथा शिक्षकों हेतु रिफ्रेशर कोर्स को आज की जरूरत बताया।

योग की प्राचीन परंपरा हमारे राष्ट्र की धरोहर है : डॉ ब्रह्मदेव

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश डॉ ब्रह्मदेव ने कहा कि योग की प्राचीन परंपरा हमारे राष्ट्र की धरोहर है और इसे आज के व्यस्त जीवन में सबके लिए धारण करना अनिवार्य हो गया है। जिससे समग्र स्वास्थ्य अर्जित हो सके। उन्होंने प्राध्यापकों से इलेक्ट्रॉनिक एवं इंटरनेट का दुरुपयोग रोकने की अपील की तथा उसके सदुपयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। शिक्षा निदेशक ने कहा कि प्राध्यापक यहां से जो सीखें वह हमारे छात्रों को सिखाएं। यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि हमारे बच्चे स्वस्थ रहें। हम दूसरे देशों का मुकाबला तभी कर पाएंगे जब हम स्वस्थ रहेंगे।

जन जन तक योग की पहुंच सुनिश्चित करें शिक्षक– प्रोफेसर सीमा सिंह

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग से ही निरोग रहकर आरोग्य प्राप्त किया जा सकता है। योग की महत्ता आज हर कोई स्वीकार कर रहा है। प्रोफेसर सिंह ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसकी जन जन तक पहुंच को सुनिश्चित करने हेतु राजकीय महाविद्यालयों से आए शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों का आह्वान किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने योग के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहां से निकले विद्यार्थी महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्वविद्यालय के योग के पाठ्यक्रम काफी लोकप्रिय हैं। जिसका लाभ समाज को मिल रहा है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

राष्ट्रगान

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 29 | अंक : 140
प्रतापगढ़ | बुधवार , 22 मार्च-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवान
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका: प्रो जी एस शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय दे रहा राजकीय शिक्षकों को योग प्रशिक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के छह दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि आने वाला युग योग का है। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से चारों तरफ अशांति का वातावरण है उसे योग के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है। मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका है।अनियंत्रित जीवन शैली से जिस तरह छोटी उम्र में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं उसके निदान के लिए योग बहुत बड़ा सम्बल है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह न केवल योग को अपने जीवन में उतारे बल्कि अपने महाविद्यालय में शिक्षार्थियों को भी योग शिक्षा में प्रवीण होने के लिए प्रेरित करें। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आज योग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा तथा मास्टर्स डिग्री के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। हजारों छात्र प्रतिवर्ष इन कार्यक्रमों में प्रवेश ले रहे हैं। योग कार्यक्रम की प्रामाणिकता तथा इसकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, विशेषकर उच्च शिक्षा से वंचित तथा उन लोगों के लिए जो पढ़ाई के माध्यम से स्वतंत्र रूप से ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए मुक्त विश्वविद्यालय में कई योजनाएँ संचालित है। इसके पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। जिन्हें नौकरी करते हुए अध्ययनरत रहते हुए पूर्ण किया जा सकता है। इस अवसर पर योग के शिक्षक अमित कुमार सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,बुधवार 22 मार्च, 2023

मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका- प्रो जी एस शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय दे रहा राजकीय शिक्षकों को योग प्रशिक्षण

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के छह दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि आने वाला युग योग का है। आज जिस तरह से चारों तरफ अशांति का वातावरण है उसे योग के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है। मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका है।अनियंत्रित जीवन शैली से जिस तरह छोटी उम्र में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं उसके निदान के लिए योग बहुत बड़ा सम्बल है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह न केवल योग को अपने जीवन में उतारे बल्कि अपने महाविद्यालय में शिक्षार्थियों को भी योग शिक्षा में प्रवीण होने के लिए प्रेरित करें। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आज योग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा तथा मास्टर्स डिग्री के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। हजारों छात्र प्रतिवर्ष इन कार्यक्रमों में प्रवेश ले रहे हैं। योग कार्यक्रम की प्रामाणिकता तथा इसकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, विशेषकर उच्च शिक्षा से वंचित तथा उन लोगों के लिए जो पढ़ाई के माध्यम से स्वतंत्र रूप से ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए मुक्त विश्वविद्यालय में कई योजनाएँ संचालित है। इसके पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। जिन्हें नौकरी करते हुए अध्ययनरत रहते हुए पूर्ण किया जा सकता है। इस अवसर पर योग के शिक्षक अमित कुमार सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ,बुधवार 22 मार्च 2023

मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका : प्रो. शुक्ल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के छह दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि आने वाला युग योग का है। आज जिस तरह से चारों तरफ अशांति का वातावरण है उसे योग के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है। मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका है। नियंत्रित जीवन शैली से जिस तरह छोटी उम्र में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे है उसके निदान के लिए योग बहुत बड़ा सम्बल है। उन्होंने प्रशिक्षणाथियों से कहा कि वह न केवल योग को अपने जीवन में उतारे बल्कि अपने महाविद्यालय में शिक्षाथियों को भी योग शिक्षा में प्रवीण होने के लिए प्रेरित करें। प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, विशेषकर उच्च शिक्षा से वंचित तथा उन लोगों के लिए जो पढ़ाई के माध्यम से स्वतंत्र रूप से ज्ञान प्राप्त करना चाहते है उनके लिए मुक्त विश्वविद्यालय में कई योजनाएँ संचालित है। इसके पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किए जा रहे है।

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com
लखनऊ, बुधवार, 22 मार्च 2023

मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका

मुक्त विश्वविद्यालय दे रहा राजकीय शिक्षकों को योग प्रशिक्षण

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के छह दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि आने वाला युग योग का है। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से चारों तरफ अशांति का वातावरण है उसे योग के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है। मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका है। नियंत्रित जीवन शैली से जिस तरह छोटी उम्र में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं उसके निदान के लिए योग बहुत बड़ा सम्बल है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह न केवल योग को अपने जीवन में उतारे बल्कि अपने महाविद्यालय में शिक्षार्थियों को भी योग शिक्षा में प्रवीण होने के लिए प्रेरित करें। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आज योग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा तथा मास्टर्स डिग्री के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। हजारों छात्र प्रतिवर्ष इन कार्यक्रमों में प्रवेश ले रहे हैं। योग कार्यक्रम की प्रामाणिकता तथा इसकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, विशेषकर उच्च शिक्षा से वंचित तथा उन लोगों के लिए जो पढ़ाई के माध्यम से स्वतंत्र रूप से ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए मुक्त विश्वविद्यालय में कई योजनाएँ संचालित है। इसके पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।

अमृत प्रभात
चैत्र नवरात्र आज से

मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिकाः प्रो. जी.एस शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय दे रहा राजकीय शिक्षकों को योग प्रशिक्षण

प्रयागराज (नि.सं.)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के छह दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि आने वाला युग योग का है। आज जिस तरह से चारों तरफ अशांति का वातावरण है उसे योग के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है। मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका है। नियंत्रित जीवन शैली से जिस तरह छोटी उम्र में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं उसके निदान के लिए योग बहुत बड़ा सम्बल है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह न केवल योग को अपने जीवन में उतारे बल्कि अपने महाविद्यालय में शिक्षार्थियों को भी योग शिक्षा में प्रवीण होने के लिए प्रेरित करें। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आज योग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा तथा मास्टर्स डिग्री के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। हजारों छात्र प्रतिवर्ष इन कार्यक्रमों में प्रवेश ले रहे हैं। योग कार्यक्रम की प्रामाणिकता तथा इसकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, विशेषकर उच्च शिक्षा से वंचित तथा उन लोगों के लिए जो पढ़ाई के माध्यम से स्वतंत्र रूप से ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए मुक्त विश्वविद्यालय में कई योजनाएं संचालित हैं। इसके पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। जिन्हें नौकरी करते हुए अध्ययनरत रहते हुए पूर्ण किया जा सकता है। इस अवसर पर योग के शिक्षक अमित कुमार सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया।

दैनिक जागरण

'मन की शांति में योग की भूमिका महत्वपूर्ण'

PRAYAGRAJ (21 March): यूपीआरटीओयू के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों का छह दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है. कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर जीएस शुक्ल निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि आने वाला युग योग का है. आज जिस तरह से चारों तरफ अशांति का वातावरण है उसे योग के माध्यम से ही शांत किया जा सकता है. मन की शांति में योग की बहुत बड़ी भूमिका है. नियंत्रित जीवन शैली से जिस तरह छोटी उम्र में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं उसके निदान के लिए योग बहुत बड़ा सम्बल है.

योग में लें डिग्री

प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि यूपीआरटीओयू में आज योग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा तथा मास्टर्स डिग्री के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं. हजारों छात्र प्रतिवर्ष इन कार्यक्रमों में प्रवेश ले रहे हैं. योग कार्यक्रम की प्रामाणिकता तथा इसकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है. प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
24 मार्च, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम

...लय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 24 मार्च, 2023 को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षयरोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने–अपने गांव में टीबी मरीजों के बारे में पता लगाने, उन्हें जागरुक कर पास के स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुॅचानें के लिए प्रेरित किया गया। उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुॅचानें में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें ''निक्षय मित्र'' के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा।

इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, श्री जितेंद्र सिंह, डॉ भाष्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालन करते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संवि.) श्री अमित कुमार सिंह

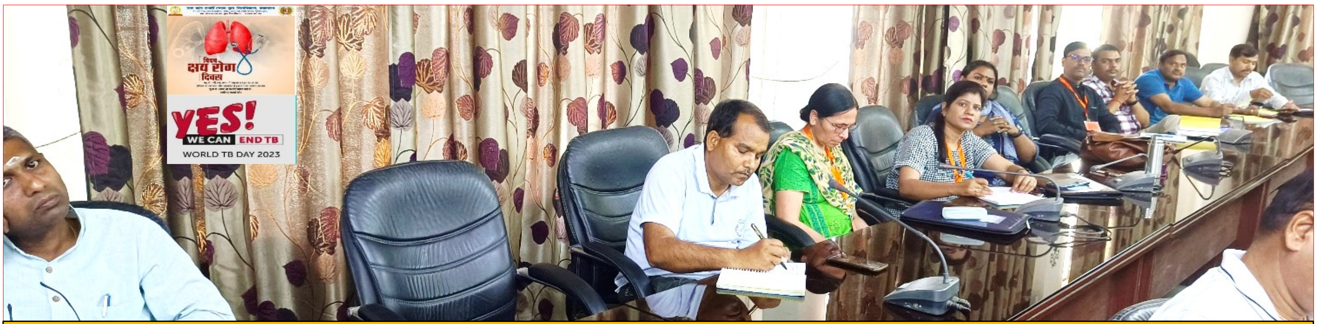

सभागार में उपस्थित श्रोतागण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीज : प्रोफेसर जी एस शुक्ल

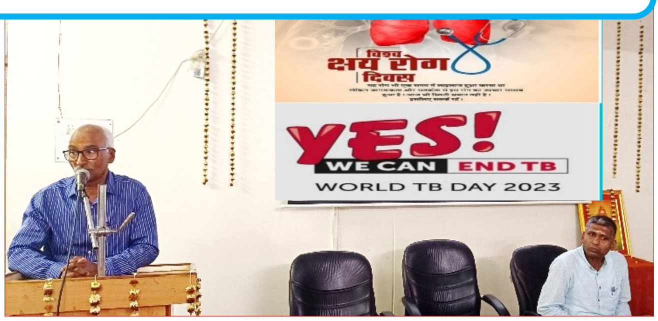

प्रो0 (डॉ0) जी. एस. शुक्ल

सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें।

प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि टीबी शरीर के विभिन्न भागों में हो सकती है। जैसे फेफड़े की टीबी, पेट की टीबी, दिमाग की टीबी तथा हड्डियों में भी टीबी हो सकती है। अपने स्थान के अनुसार यह रोग अपना लक्षण प्रकट करता है किंतु कुछ लक्षण सभी में विद्यमान रहते हैं। जैसे बुखार, शाम के समय शरीर का तापमान बढ़ जाना, थकान, वजन का कम होना, भूख में कमी आना तथा खांसी के साथ बलगम में खून का आना इत्यादि।

प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निरंतर प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

निक्षय दिवस पर मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने हेतु पुष्टाहार किट का वितरण करते हुए कार्यक्रम निदेशक, प्रो0 जी. एस. शुक्ल

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

24 मार्च, 2023

कुलसचिव ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, नोएडा, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी, वाराणसी, आजमगढ़ एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विनय कुमार ने शुक्रवार दिनांक 24 मार्च, 2023 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया तथा परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की समन्वयक, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह जी के निर्देशन में प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है।

परीक्षार्थियों से रूबरू होते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुई क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की समन्वयक, शिक्षक एवं कर्मचारी

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित
प्रयागराज से प्रकाशित
वर्ष-02-अंक-198 प्रयागराज शनिवार 25 मार्च 2023 विक्रम संवत 2080 प्रातः संस्करण पृष्ठ-8 मूल्य: 1/रुपया

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीजं- प्रो जी एस शुक्ल

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें। निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने-अपने गांव में टीबी मरीजों के बारे में पता लगाने, उन्हें जागरुक कर मरीज को समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें "निक्षय मित्र" के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री जितेंद्र सिंह, डॉ भास्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शनिवार 25 मार्च 2023

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीज : प्रो. शुक्ल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निरंतर प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री जितेंद्र सिंह, डॉ भास्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, शनिवार 25 मार्च, 2023

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीज- प्रोफेसर जी एस शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय ने निक्षय दिवस पर किया पुष्टाहार किट का वितरण

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें।निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने-अपने गांव में टीबी मरीजों के बारे में पता लगाने, उन्हें जागरुक कर मरीज को समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें "निक्षय मित्र" के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा।प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि टीबी शरीर के विभिन्न भागों में हो सकती है। जैसे फेफड़े की टीबी, पेट की टीबी, दिमाग की टीबी तथा हड्डियों में भी टीबी हो सकती है। अपने स्थान के अनुसार यह रोग अपना लक्षण प्रकट करता है किंतु कुछ लक्षण सभी में विद्यमान रहते हैं। जैसे बुखार, शाम के समय शरीर का तापमान बढ़ जाना, थकान, वजन का कम होना, भूख में कमी आना तथा खांसी के साथ बलगम में खून का आना इत्यादि।प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निरंतर प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी,जितेंद्र सिंह, डॉ भास्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन आदि उपस्थित रहे।

RNI/TITLE-CODE UPHIN/50789
सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
hpshukla50@gmail.com शनिवार 25 मार्च, 2023 वर्ष: 01, अंक: 11, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रु. प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीज- प्रोफेसर जी एस शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय ने निक्षय दिवस पर किया पुष्टाहार किट का वितरण

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज खबर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें।

निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने-अपने गांव में टीबी मरीजों के बारे में पता लगाने, उन्हें जागरुक कर मरीज को समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें निक्षय मित्र के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा।

प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि टीबी शरीर के विभिन्न भागों में हो सकती है। जैसे फेफड़े की टीबी, पेट की टीबी, दिमाग की टीबी तथा हड्डियों में भी टीबी हो सकती है। अपने स्थान के अनुसार यह रोग अपना लक्षण प्रकट करता है किंतु कुछ लक्षण सभी में विद्यमान रहते हैं। जैसे बुखार, शाम के समय शरीर का तापमान बढ़ जाना, थकान, वजन का कम होना, भूख में कमी आना तथा खांसी के साथ बलगम में खून का आना इत्यादि। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निरंतर प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह, डॉ भास्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन आदि उपस्थित रहे।

● वर्ष : 16
● अंक : 48
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शनिवार, 25 मार्च 2023
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीजः प्रो. जीएस शुक्ल

▸▸ भईया राम धर्मशाले व गीता मंदिर पर जबरन कब्जेदारी का मामला पकड़ा तूल, आक्रोशित बाजारवासियों ने जताया कड़ा विरोध

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो जीएस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रो जीएस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज से ठीक होने वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें।

निक्षय दिवस पर प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने-अपने गांव में टीबी मरीजों के बारे में पता लगाने, उन्हें जागरुक कर मरीज को समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें ''निक्षय मित्र'' के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा। प्रो शुक्ल ने कहा कि टीबी शरीर के विभिन्न भागों में हो सकती है। जैसे फ़ेफड़े की टीबी, पेट की टीबी, दिमाग की टीबी तथा हड्डियों में भी टीबी हो सकती है। अपने स्थान के अनुसार यह रोग अपना लक्षण प्रकट करता है किंतु कुछ लक्षण सभी में विद्यमान रहते हैं। जैसे बुखार, शाम के समय शरीर का तापमान बढ़ जाना, थकान, वजन का कम होना, भूख में कमी आना तथा खांसी के साथ बलगम में खून का आना इत्यादि। प्रो शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रो सीमा सिंह के निरंतर प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर पी पी दुबे, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह, डॉ भास्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
हरबात
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 108 प्रयागराज, शनिवार, 25 मार्च, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय ने निक्षय दिवस पर किया पुष्टाहार किट का वितरण :

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीज : प्रो0 जी एस शुक्ल

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने व्याख्यान देते हुए कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज वाली बीमारी है जो सही निदान एवं नियमित इलाज के द्वारा ठीक हो सकती है। लोगों के बीच इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर

टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें। निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने-अपने गांव में टीबी मरीजों के बारे में पता लगाने, उन्हें जागरुक कर मरीज को समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें "निक्षय मित्र" के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि टीबी शरीर के विभिन्न भागों में हो सकती है। जैसे फेफड़े की टीबी, पेट की टीबी, दिमाग की टीबी तथा हड्डियों में भी टीबी हो सकती है। अपने स्थान के अनुसार यह रोग अपना लक्षण प्रकट करता है किंतु कुछ लक्षण सभी में विद्यमान रहते हैं। जैसे बुखार, शाम के समय शरीर का तापमान बढ़ जाना, थकान, वजन का कम होना, भूख में कमी आना तथा खांसी के साथ बलगम में खून का आना इत्यादि। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निरंतर प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री जितेंद्र सिंह, डॉ भास्कर शुक्ला, डॉ शरद चंद्र राय, डॉ रीना कालिया एवं डॉ नीबू आर कृष्णन आदि उपस्थित रहे।

Website : http://www.readersmessenger.com E mail : readersmessenger@gmail.com
रीडर्स मैसेंजर
वर्ष - 01, अंक- 112 प्रातः कालीन संस्करण (हिन्दी दैनिक) प्रातः कालीन (हिन्दी दैनिक) प्रयागराज संस्करण प्रयागराज, शनिवार, 25 मार्च 2023 मूल्य : 1

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीज : प्रोफेसर जी एस शुक्ल

विनय मिश्रा,रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय रोग के कारण, उसके लक्षण तथा निवारण के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में प्रोफेसर एस शुक्ल ने

इसके भ्रम को लेकर जागरुकता विकसित करना आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य

निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। लोगों के बीच यह जागरुकता उत्पन्न करनी होगी कि किसी भी स्वास्थ्य संशय की स्थिति में इन स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी जांच एवं निदान कराएं तथा चिकित्सक के सलाह के अनुसार पूर्ण चिकित्सा को अंगीकार करें। निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें अपने-अपने गांव में टीबी

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 22 | अंक :143
लखनऊ | शनिवार , 25 मार्च-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

सही निदान एवं नियमित इलाज से ठीक होंगे टीबी मरीजः प्रो. शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय ने निक्षय दिवस पर किया पुष्टाहार किट का वितरण

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व क्षयरोग उन्मूलन दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम एवं निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने क्षय

आवश्यक है। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार बहुत ही प्रशंसनीय कल्याणकारी कार्यक्रम एवं सुविधाएं आम जनता के लिए खासकर टीबी के मरीजों के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध करा रही हैं। निक्षय दिवस पर प्रोफेसर शुक्ल ने कई प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया।

समारोह के दौरान

वे इसकी सूचना विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा देंगे तो विश्वविद्यालय उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने में पूर्ण सहायता उपलब्ध करायेगा तथा इस कार्य हेतु उन्हें ''निक्षय मित्र'' के नाम से सम्बोधन प्रदान किया जायेगा।प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
25 मार्च, 2023

प्रतिभागियों के साथ माननीय अतिथिगण

मुविवि में राजकीय शिक्षकों के योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों का एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार दिनांक 25 मार्च, 2023 को समाप्त हो गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ रहे तथा विशिष्ट अतिथि सुनन्दा चतुर्वेदी, ज्वाइंट डायरेक्टर, हायर एजूकेशन, प्रयागराज रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के तत्कालीन एवं वर्तमान में साउथ बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट आयोजन सचिव श्री अमित कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के 42 शारीरिक शिक्षा प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें उन्होंने संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय से मुक्त विश्वविद्यालय में 15 दिन के योग प्रशिक्षण शिविर को पुनः आयोजित कराने का आग्रह किया।

मुक्त चिन्तन

संचालन करती हुई एसोसिएट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 मीरा पाल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

अतिथि स्वागत

मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार जी, विशिष्ट अतिथि सुनन्दा चतुर्वेदी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के तत्कालीन एवं वर्तमान में साउथ बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 भाष्कर शुक्ला

मंचासीन विशिष्टजनों का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

एक सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन सचिव श्री अमित कुमार सिंह

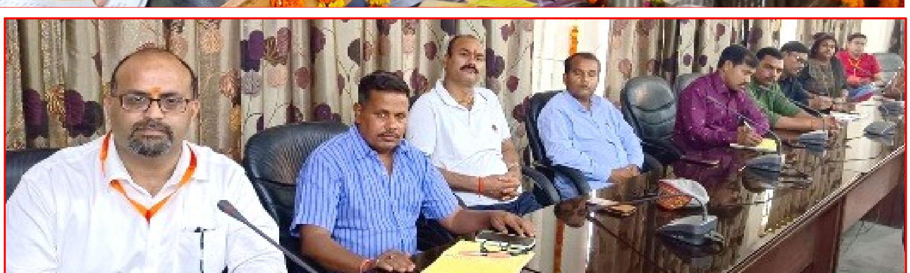

मुक्त चिन्तन

एक सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम के अपने–अपने अनुभवों को साझा करते हुए प्रतिभागीगण।

योग तन और मन को संतुलित रखता है : डॉ सुनंदा चतुर्वेदी

डॉ सुनंदा चतुर्वेदी

विशिष्ट अतिथि डॉ सुनंदा चतुर्वेदी, संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उ प्र ने कहा कि एन ई पी 2020 में योग एवं ध्यान को महत्वपूर्ण अंग के रूप में पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों को योग प्रशिक्षण का मौका दिया है। भावी पीढ़ी का उत्तरदायित्व शारीरिक शिक्षकों को सौंपा है। योग के माध्यम से ही छात्रों को अवसाद ग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। योग तन और मन को संतुलित रखता है। ध्यान और आसन से जीवन तनाव मुक्त हो सकता है।

जीवन में आनंद की प्राप्ति योग से : अपर मुख्य सचिव

श्री अनिल कुमार

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, अपर प्रमुख सचिव, उत्तर दे शासन ने कहा कि सतत अभ्यास योग का पहला सूत्र है। सफलता और असफलता में समान भाव से रहना ही योग है। तात्कालिक असफलता बड़ी सफलता के द्वार खोलती है। जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज आनंद की प्राप्ति है। श्री कुमार ने कहा कि आवश्यकता से अधिक चीजों का संग्रह नहीं करना चाहिए। इसकेअ लिए जीवन में अपरिग्रह सुखी जीवन का एक मूल मंत्र है । सफल जीवन से ज्यादा संतुष्ट जीवन महत्वपूर्ण है। योग जीवन में आनंद की प्राप्ति कराता है। योग हमें राग द्वेष ईर्ष्या वैमनस्य से परे होकर जीना सिखाता है। हमें भूतकाल की पीड़ा और भविष्य की चिंता के फेर में नहीं पड़ना चाहिए तभी हम वर्तमान में जी सकते हैं। योग के अभ्यास से जीवन की गुणवत्ता परिलक्षित होती है

अतिथि सम्मान

मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार जी एवं विशिष्ट अतिथि सुनन्दा चतुर्वेदी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के तत्कालीन एवं वर्तमान में साउथ बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम के आयोजन सचिव श्री अमित कुमार सिंह

कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए आयोजन सचिव श्री अमित कुमार सिंह एवं प्रो0 भाष्कर शुक्ला

मुक्त चिन्तन

संतुलन को साध लेना ही योग : प्रोफेसर के एन सिंह

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समारोह की अध्यक्षता करते हुए दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग संयम समन्वय एवं संतुलन की साधना का अंग है। जीवन में साधन महत्वपूर्ण नहीं है। संतुलन को साध लेना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जीवन कौशल कैसे सीखा जाय यह महत्वपूर्ण है। योग के प्रशिक्षण से जीवन कौशल का विकास होता है।

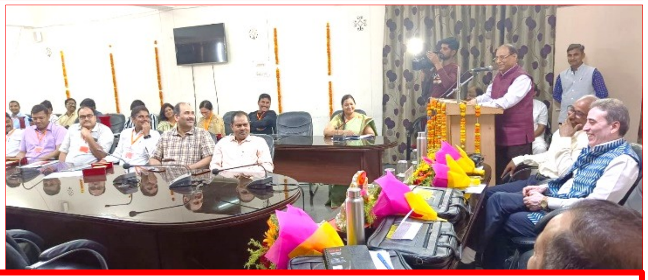

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को योग प्रशिक्षण के रूप में नोडल केंद्र बनाया जाए जिससे पूरे प्रदेश में योग का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने योग के क्षेत्र में विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता को सिद्ध कर दिया है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

सभी प्रतिभागियों को

प्रमाण पत्र

वितरित करते हुए माननीय अतिथिगण

हिन्दुस्थान समाचार
स्थापित – 1948
Hindusthan Samachar
बहुभाषी न्यूज़ एजेंसी
27 Mar 2023, 10:28 HRS IST

योगाभ्यास से जीवन की गुणवत्ता परिलक्षित : अपर मुख्य सचिव

25 Mar 2023 17:41:16

--योग के प्रशिक्षण से जीवन कौशल का विकास होता है : प्रो. केएन सिंह

--मुविवि में राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का योग प्रशिक्षण का समापन

प्रयागराज, 25 मार्च (हि.स.)। सतत् अभ्यास योग का पहला सूत्र है। सफलता और असफलता में समान भाव से रहना ही योग है। तात्कालिक असफलता बड़ी सफलता के द्वार खोलती है। जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज आनंद की प्राप्ति है, जो योग से मिलती है। योगाभ्यास से जीवन की गुणवत्ता परिलक्षित होती है।

यह बातें अपर प्रमुख सचिव, उप्र शासन अनिल कुमार ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उप्र शासन द्वारा प्रायोजित प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों के एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आवश्यकता से अधिक चीजों का संग्रह नहीं करना चाहिए। इसके लिए जीवन में अपरिग्रह सुखी जीवन का एक मूल मंत्र है। सफल जीवन से ज्यादा संतुष्ट जीवन महत्वपूर्ण है। योग जीवन में आनंद की प्राप्ति कराता है। योग हमें राग द्वेष ईर्ष्या वैमनस्य से परे होकर जीना सिखाता है। हमें भूतकाल की पीड़ा और भविष्य की चिंता के फेर में नहीं पड़ना चाहिए तभी हम वर्तमान में जी सकते हैं।

अध्यक्षता करते हुए दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग संयम समन्वय एवं संतुलन की साधना का अंग है। जीवन में साधन महत्वपूर्ण नहीं है। संतुलन को साध लेना ही योग है। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल कैसे सीखा जाय यह महत्वपूर्ण है। योग के प्रशिक्षण से जीवन कौशल का विकास होता है। प्रो. सिंह ने कहा कि उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि को योग प्रशिक्षण के रूप में नोडल केंद्र बनाया जाए जिससे पूरे प्रदेश में योग का प्रशिक्षण दिया जाए।

उच्च शिक्षा निदेशालय, उप्र की संयुक्त निदेशक डॉ सुनंदा चतुर्वेदी ने कहा कि एनईपी 2020 में योग एवं ध्यान को महत्वपूर्ण अंग के रूप में पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। प्रदेश सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों को योग प्रशिक्षण का मौका दिया है। भावी पीढ़ी का उत्तरदायित्व शारीरिक शिक्षकों को सौंपा है। योग के माध्यम से ही छात्रों को अवसाद ग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। योग तन और मन को संतुलित रखता है। ध्यान और आसन से जीवन तनाव मुक्त हो सकता है।

अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ. मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के 42 शारीरिक शिक्षा प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हिन्दुस्थान समाचार/विद्या कान्त

जीवन में योग से है आनंद की प्राप्ति : अपर मुख्य सचिव

● संतुलन को साध लेना ही योग : प्रो के एन सिंह

मुविवि में राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का योग प्रशिक्षण का समापन

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों का एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को समाप्त हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनिल कुमार अपर प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन ने कहा कि सतत अभ्यास योग का पहला सूत्र है। सफलता और असफलता में समान भाव से रहना ही योग है। तात्कालिक असफलता बड़ी सफलता के द्वार खोलती है। जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज आनंद की प्राप्ति है।

श्री कुमार ने कहा कि आवश्यकता से अधिक चीजों का संग्रह नहीं करना चाहिए। इसके लिए जीवन में अपरिग्रह सुखी जीवन का एक मूल मंत्र

कुलपति प्रो के एन सिंह को गणेश प्रतिमा देते आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह।

वर्तमान में जी सकते हैं। योग के अभ्यास से जीवन की गुणवत्ता परिलक्षित होती है।विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समारोह की अध्यक्षता करते हुए दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया के कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग संयम समन्वय एवं संतुलन की साधना का अंग है। जीवन में साधन महत्वपूर्ण नहीं है। संतुलन को साध लेना ही योग है। प्रो सिंह ने कहा कि जीवन कौशल कैसे सीखा जाय यह महत्वपूर्ण है। योग के प्रशिक्षण से जीवन कौशल का विकास होता है। प्रो सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त

अतिथि डॉ सुनंदा चतुर्वेदी संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा निदेशालय ने कहा कि एन ई पी 2020 में योग एवं ध्यान को महत्वपूर्ण अंग के रूप में पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राजकीय महा विद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों को योग प्रशिक्षण का मौका दिया है। भावी पीढ़ी का उत्तरदायित्व शारीरिक शिक्षकों को सौंपा है। योग के माध्यम से ही छात्रों को अवसाद ग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। योग तन और मन को संतुलित रखता है। ध्यान और आसन से जीवन तनाव मुक्त हो सकता है।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रो गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर

AT समाचार

traffic tail आज ही बनवाए अपनी न्यूज़ वेबसाईट STARTING @ RS. 3999 CALL NOW : 8770247377 KNOW MORE

जीवन में आनंद की प्राप्ति योग से – अपर मुख्य सचिव संतुलन को साध लेना ही योग- प्रोफेसर के एन सिंह।

atsamachar | March 25, 2023 | 9:46 pm

मुविवि में राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का योग प्रशिक्षण का समापन

Prayagraj,up: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापकों का एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को समाप्त हो गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनिल कुमार, अपर प्रमुख सचिव, उत्तर दे शासन ने कहा कि सतत अभ्यास योग का पहला सूत्र है। सफलता और असफलता में समान भाव से रहना ही योग है। तात्कालिक असफलता बड़ी सफलता के द्वार खोलती है। जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज आनंद की प्राप्ति है। श्री कुमार ने कहा कि आवश्यकता से अधिक चीजों का संग्रह नहीं करना चाहिए। इसकेअ लिए जीवन में अपरिग्रह सुखी जीवन का एक मूल मंत्र है । सफल जीवन से ज्यादा संतुष्ट जीवन महत्वपूर्ण है। योग जीवन में आनंद की प्राप्ति कराता है। योग हमें राग द्वेष ईर्ष्या वैमनस्य से परे होकर जीना सिखाता है। हमें भूतकाल की पीड़ा और भविष्य की चिंता के फेर में नहीं पड़ना चाहिए तभी हम वर्तमान में जी सकते हैं। योग के अभ्यास से जीवन की गुणवत्ता परिलक्षित होती है।

विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समारोह की अध्यक्षता करते हुए दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग संयम समन्वय एवं संतुलन की साधना का अंग है। जीवन में साधन महत्वपूर्ण नहीं है। संतुलन को साध लेना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जीवन कौशल कैसे सीखा जाय यह महत्वपूर्ण है। योग के प्रशिक्षण से जीवन कौशल का विकास होता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को योग प्रशिक्षण के रूप में नोडल केंद्र बनाया जाए जिससे पूरे प्रदेश में योग का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने योग के क्षेत्र में विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता को सिद्ध कर दिया है।

विशिष्ट अतिथि डॉ सुनंदा चतुर्वेदी, संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उ प्र ने कहा कि एन ई पी 2020 में योग एवं ध्यान को महत्वपूर्ण अंग के रूप में पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों को योग प्रशिक्षण का मौका दिया है। भावी पीढ़ी का उत्तरदायित्व शारीरिक शिक्षकों को सौंपा है। योग के माध्यम से ही छात्रों को अवसाद ग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। योग तन और मन को संतुलित रखता है। ध्यान और आसन से जीवन तनाव मुक्त हो सकता है।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों के 42 शारीरिक शिक्षा प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें उन्होंने संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय से मुक्त विश्वविद्यालय में 15 दिन के योग प्रशिक्षण शिविर को पुन आयोजित कराने का आग्रह किया।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

कार्य परिषद् की 129वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 129वीं बैठक दिनांक 29 मार्च, 2023 को अपराह्न 12:15 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

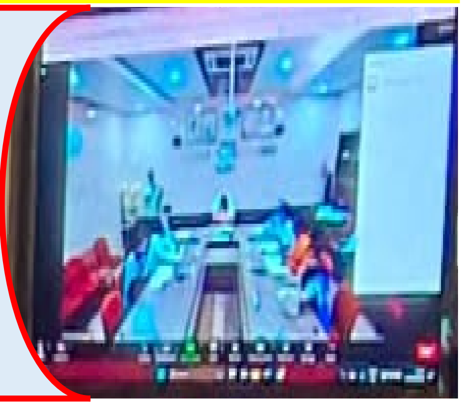

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

कार्य परिषद् की 129वीं बैठक

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

बैठक में माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गुप्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 उमा कॉजीलाल, प्रति कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, श्री ओम प्रकाश बदलानी, मैनेजिंग डायरेक्ट, मै. प्रयाग क्ले प्रोडक्ट्स प्राइवेट, लिमिटेड आफ रिंग रोड, शिवपुर, वाराणसी, श्री अभय सिंह, सूर्या इण्डिया पैलेस, वाराणसी, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी), मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल (समाज विज्ञान विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार (मानविकी विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री शशि भूषण सिंह तोमर, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थित रहे।

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA